विजय कुमार सिन्हा,
नेता विरोधी दल,
बिहार विधान सभा,
पटना–15

VIJAY KUMAR SINHA
Leader of Opposition
Bihar Legislative Assembly
Patna-15

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक – 01.07.2023,

बड़े पैमाने पर ट्रान्सफर पोस्टिंग में लेने देन के कारण सरकारी कार्यों में होगी जनता से उगाही- विजय कुमार सिन्हा

ट्रान्सफर पोस्टिंग में पैसे का खेल, स्वतंत्र एजेंसी से जाँच हो,

शिक्षक नियुक्ति को लेकर नियत में खोट, नीति पूरी तरह से फेल,

शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज घोर निंदनीय और अघोषित आपात काल का द्योतक,

नई शिक्षक नीति बनाए जिसमें सीटीईटी, एसटीईटी उर्तीण नियोजित शिक्षक एवं वित रहित विद्यालयों के शिक्षक की प्रथामिकता हो,

भाजपा विधानमंडल दल के नेता श्री विजय कुमार सिन्हा ने बयान जारी कर कहा है कि जून माह में विभिन्न विभागों में ट्रान्सफर पोस्टिंग में लेन देन के कारण राज्य की जनता से इन अधिकारियों द्वारा सरकारी कार्यों में उगाही की जाएगी।

श्री सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जून के अंतिम सप्ताह में पहले तबादला और फिर उस पर रोक लगाकर प्रक्रिया पर जाँच बैठाना अपने आप में स्वीकारोक्ति है कि स्थानान्तरण पदस्थापन में पैसे का खेल हुआ है। वीडीओं, सीओं, सीडीपीओं, एवं अभियंता समेत अन्य पदों के अधिकारियों का अंतिम 30 जून तक स्थानान्तरण पदस्थापन किया गया जो असामान्य प्रतीत होता है। विभागीय स्थापना समिति द्वारा अनुशंसित सूची में हेरफेर अब आम बात हो गई है। सरकार को इस विषय पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए और ट्रांसफर-पोस्टिंग के उद्योग को बंद करना चाहिए।

श्री सिन्हा ने कहा कि सरकार सीटीईटी एवं एसटीईटी उर्तीण शिक्षक अभ्यर्थियों एवं नियोजित शिक्षकों के साथ भेदभाव एवं जबर्दस्ती कर रही है। पूर्व में इन्हें सीधे शिक्षक पद पर भर्त्ती का आश्वासन सरकार द्वारा दिया गया था लेकिन विद्यालय शिक्षक भर्त्ती नियमावली 2023 लागू कर सरकार ने नियुक्ति हेतु परीक्षा का अधिकार बिहार लोक सेवा आयोग को दे दिया। अब शिक्षक अभ्यर्थी और नियेजित शिक्षक परीक्षा पास करने पर ही राज्यकर्मी का दर्जा पाने के हकदार होंगे। इतना ही नहीं, नियमावली से डोमिसाईल का क्लाउज हटाकर इसे देशव्यापी बना दिया जिसके कारण बिहार के हजारों शिक्षक अभ्यर्थी को अब अखिल भारतीय स्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

श्री सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार के इन कदमों से बिहार में शैक्षणिक वातावरण ध्वस्त हो गया है। चरवाहा विद्यालय के अविष्कारकों के साथ सरकार बनाने के बाद मुख्यमंत्री भी चरवाहा विद्यालय की ओर ही मुखातिव हो रहे हैं। जब शिक्षक अभ्यर्थी अपनी माँग रखते तो उनपर लाठियाँ बरसायी जाती है। शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठी चार्ज घोर निंदनीय है और यह अघोषित आपातकाल का घोतक है।

श्री सिन्हा ने कहा कि सरकार शिक्षक अभ्यर्थियों एवं नियोजित शिक्षको को सीधे राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान करे।